फोटो: एपी इमेजेज © एपी - इमेज बैंक्स एपी

कीथ एलिसन

कांग्रेस में पहले मुस्लिम प्रतिनिधि

लिया टरह्यून

मिनेसोटा में 7 नवम्बर को भारी बहुमत से कांग्रेस के लिए चुने गए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कीथ एलिसन अमेरिकी कांग्रेस में पहले मुस्लिम प्रतिनिधि हैं। इस चुनाव पर सबकी नजर थी। एलिसन मिनेसोटा से चुने गए पहले अश्वेत कांग्रेसमैन भी हैं। वह अवकाश ग्रहण कर रहे डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि मार्टिन साबो की जगह लेंगे।

अपनी विजय के बाद दिए भाषण में उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस चुनाव के बारे में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने सभी के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर लोगों को एकजुट करने का प्रयास किया। हम मुसलमानों, ईसाइयों, बौद्धों, यहूदियों (सभी) को एक मंच पर ला पाए।''

कांग्रेस के लिए चुने जाने से पहले दो बार स्टेट विधानमंडल के सदस्य रह चुके एलिसन ने इराक युद्ध के विरोध और सभी अमेरिकियों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा मुहैया कराए जाने को अपना चुनावी मुद्दा बनाया था।

इस्लामी नियमों का पालन करने वाले एलिसन ने धर्म को अपने अभियान का अंग नहीं बनाया। मिनियापॉलिस स्टार ट्रिब्यून में एक लेख में उन्होंने लिखा, ''लोग कई धार्मिक परंपराओं से संबल पाते हैं। मेरा पालन-पोषण कैथॅलिक परिवेश में हुआ, वेन स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ते हुए मैंने इस्लाम अपनाया। दिव्य प्रेम का कुरान का संदेश मुझे प्रेरणा देता है और एक गहरी आस्था मेरे दैनिक जीवन का मार्गदर्शन करती है।'' हाल ही में उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अब समय आ गया है जब अमेरिका को एक मध्यमार्गी मुस्लिम स्वर सुनना चाहिए, इस्लाम का एक ऐसा चेहरा देखना चाहिए जो बाकी सभी लोगों जैसा ही है।''

ऊपर: डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कीथ एलिसन मिनियापॉलिस में एक समारोह में अपनी कामयाबी पर खुशी जाहिर करते हुए।

नीचे: डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के लिए उम्मीदवार कीथ एलिसन मिनियापॉलिस में अपना वोट डालते हुए।

डेट्रॉइट में जन्मे कीथ एलिसन ने मिनियापॉलिस सिथत यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा से कानून की डिग्री ली। वह मिनियापॉलिस में वकालत करते हैं और 17 साल से वहीं रह रहे हैं। 19 साल की आयु में नस्लवाद और अन्याय से खिन्न होकर उन्होंने इस्लाम अपनाया।

कीथ एलिसन कहते हैं कि उम्र के उस दौर में वह गुस्से से भरे एक युवा सामाजिक कार्यकर्ता थे लेकिन, ''आखिर मुझे यह बात समझ में आ गई कि समस्याएं और असफलताएं गिनवाते रहने वाला आलोचक बनना आसान है लेकिन हल की तलाश में हिस्सेदारी कर पाना काफी कठिन है।'' खुद को सही राह पर लाने का श्रेय वह अपने परिवार को देते हैं। ''मैं एक ऐसी दुनिया बनाने में मदद करने लगा जहां सभी महत्वपूर्ण हैं और जहां कोई भी रद्दी में डालने लायक नहीं है।''

उनकी ख्याति संबंध रचने और दलों की सीमाओं के परे जाकर लोगों और सरोकारों से जुड़कर बढ़िया परिणाम प्राप्त करने वाले कार्यकर्ता के रूप में है। वह उदार मुद्दों के पक्षधर हैं और न्यूनतम वेतन, पर्यावरण सुरक्षा, गर्भपात के अधिकारों और शिक्षा के लिए बेहतर वित्त व्यवस्था का समर्थन करते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा के प्राध्यापक और विश्लेषक लॉरेंस जेकब्स ने वाशिंगटन फाइल को बताया, ''एलिसन का चुना जाना अमेरिका के लिए अच्छा संकेत है। खुद को पीड़ित या अमेरिकी समाज से बाहर महसूस कर रहे मुस्लिम अमेरिकी समाज का एक आशापूर्ण पक्ष देख पाएंगे।'' उनका कहना है कि इससे विदेशों में रह रहे मुस्लिम भी प्रोत्साहित होंगे क्योंकि यह दूसरे विचारों को सुनने-समझने की इच्छा का संकेत है। वह कहते हैं, ''मुसलमानों के राजनीतिक सत्ता की स्थितियों में आने से अमेरिकी समाज की बहुलता से हम सभी को लाभ होता है।''

अमेरिकी मिडवेस्ट क्षेत्र को वैसे तो कट्टरतावादियों का गढ़ माना जाता है लेकिन लॉरेंस जेकब्स कहते हैं, ''खुलापन मिडवेस्ट की ऐतिहासिक विरासत और परम्परा है।'' वह बताते हैं कि मिनेसोटा से महत्वपूर्ण नागरिक अधिकार आंदोलनकारी उभरे हैं। ''जाति या आस्था की चिंता किए बिना सभी को उनके किए कामों के आधार पर मौका मिलता है। यह एक सहिष्णु समाज है।''

अमेरिकी मुसलमानों ने एलिसन की विजय का स्वागत किया है। 8 नवंबर को काउंसिल ऑन इस्लामिक रिलेशन्स के निदेशक कोरी सेलर ने कहा, ''राष्ट्रीय महत्व के पद पर एक अमेरिकी मुस्लिम का चुना जाना और सामाजिक विभाजन और अविश्वास को बढ़ाने वाले लोगों को अस्वीकार किया जाना स्पष्ट संदेश भेजता है कि अमेरिका सभी धर्मों के लोगों को अपनाने वाला राष्ट्र है।''

लिया टरह्यून यूएसइनफो की कार्यालय लेखिका हैं। वह स्पैन की संपादक रह चुकी हैं।